☎ : 0551 2257138
2257570

Guru Shri Gorakshnath Chikitsalya

Gorakhnath Mandir Parisar, Gorakhnath,Gorakhpur-273015

(1)

Ref.....

Dated 7/10/13

प्रेस विज्ञप्ति

अपील

इस मौसम में विशेष रुप से बरसात के पश्चात वातावरण में नमी होने के कारण सूक्ष्मजीवाणु तथा विषाणुओं की संख्या बढ जाती है, तथा ऐसे विषाणु प्रजनन के द्वारा अपनी संख्या कई गुना बढा लेते हैं, अतः इस मौसम में मच्छर जनित एवं जल जनित तथा वायु द्वारा भी बहुत सारे रोगों का प्रसार होता है। बहुत सारे वायरल बिमारियों का प्रकोप बढ जाता है, यही वायरस जो प्रतिकूल मौसम में सुषुप्ता अवस्था में पडे रहते हैं, वही इस अनुकूल मौसम में बहुत सक्रिय हो जाते है, परिणाम स्वरुप बहुत सारे रोगों का प्रचलन बढ जाता है और ये रोग एक महामारी का रुप धारण कर लेती हैं, प्रत्येक वर्ष की भॉति इस वर्ष भी ऐसे तमाम रोगों का प्रकोप धीरे–धीरे हमारे क्षेत्र में अपना पॉव पसार रहा है, प्रमुख कुछ रोग जैसे डेंगु बुखार, चिकनगुनिया, इंसेफेलाइटिस, जापानी बुखार तथा अन्य वायरल बुखार एक महामारी का रुप बनकर इस क्षेत्र में तबाही मचाये हुए हैं, इनके रोक थाम तथा उपचार का कार्य शासन और प्रशासन स्तर पर तो हो ही रहा है अपितु निजी चिकित्सालय तथा नर्सिंग होम में भी उपचार की सक्रियता दिखाई देती है। उपारोक्त रोगों मे अन्य लक्षण के अतिरिक्त एक महत्वपूर्ण तत्व जो रक्त में पाया जाता हैं जिसे प्लेटलेट कहते हैं, इसकी कमी होने लगती है, ऐसी अवस्था में प्लेटलेट रोगियों को चढाना आवश्यक हो जाता है, प्रायः एक रोगी को चार से लेकर बीस युनिट प्लेटलेट की आवश्यक्ता पड जाती है। एक रक्त दाता के रक्त से एक समय में केवल एक युनिट प्लेटलेट उप्लब्ध हो पाता है, यदि किसी रोगी को दस युनिट प्लेटलेट की आवश्यक्ता है तो उसे दस रक्त दाताओं की आवश्यकता पडती है जो कि किसी भी रोगी के लिए इतनी संख्या में रक्त दाता की व्यवस्था कर पाना संभव नही हो पाता है अतः प्लेटलेट की उप्लब्धता कम होने

Contd :2

☎ : 0551 2257138
2257570

Guru Shri Gorakshnath Chikitsalya

Gorakhnath Mandir Parisar, Gorakhnath,Gorakhpur-273015

(2)

Ref.......................   Dated 7/10/13

लगती है इस परिस्थिति मे बहुत सारे स्वः रक्त दाता व्यक्तिगत रुप से तथा स्वयं सेवी संगठन सामाजिक संगठन, तथा अन्य संस्थायें रक्तदान शिविर का आयोजन कर रक्त उपल्ब्ध कराती है, आज की परिस्थिति में लगभग नगर में तीन सौ युनिट प्लेटलेट की आवश्यक्ता प्रतिदिन पड रही है, जो कि सामान्य परिस्थितियों में केवल पचास से साठ युनिट की ही आवश्यकता पडती है।

अतः मै प्रसार माध्यमों के जरिये आम नागरिकों से अपील करता हूँ कि जनहित में अपने निकटतम ब्लड बैंक में जाकर रक्तदान करें तथा इस क्षेत्र के लोगों की सुरक्षा में अपना योगदान दें। आप द्वारा दिया हुआ एक रक्त किसी को जीवन दान दे सकता है, कोई भी स्वस्थ व्यक्ति जिसकी आयु 18 से 60 वर्ष है तथा वजन 45 कि0 ग्रा0 हो वह प्रत्येक तीन माह पर रक्तदान कर सकता हैं नुकसान की बात तो बहुत दुर है अपितु रक्तदान से स्वयं का शरीर ताजे रक्त के संचार से अधिक स्वस्थ रहते हुए बहुत सारे रोग जैसे उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, चर्बी रोग, हृदय रोग, मस्तिस्क रोग तथा कैंसर आदि से छुटकारा पा सकता हैं। अन्त में आपसे एक बार पुनः आग्रह है कि इस क्षेत्र में डेंगु इत्यादि रोगों की महामारी को देखते हुए प्लेटलेट की आपूर्ति हेतु अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करें एवं लोगों के प्राणों की रक्षा करें।

धन्यवाद्

डा0 अवधेश अग्रवाल

उप मुख्य चिकित्साधिकारी

एवं ब्लड बैंक प्रभारी

गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ गोरखपुर